vinetur

ओक्सितानी के वाइन उत्पादक प्रति बोतल 10 से 15 यूरो सेंट की बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं

उत्पादकों का कहना है कि ऊर्जा और श्रम की बढ़ती लागत के चलते 2026 की सामान्य फसल के बावजूद कई अंगूर के बाग घाटे में हैं

बुधवार, 18 नवंबर 2026



फ्रांस के ओक्सितानी क्षेत्र के वाइन उत्पादक प्रति बोतल कीमत में तत्काल 10 से 15 यूरो सेंट की बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि कई मुश्किल वर्षों के बाद मौजूदा बाजार भाव अब वाइन उत्पादन की लागत भी नहीं निकाल पा रहे हैं। इस मांग पर सोमवार, 16 नवंबर को उत्पादकों और वाइन का विपणन करने वाली कंपनियों के बीच हुई बैठक में चर्चा हुई। उत्पादक उन शर्तों को हासिल करने की कोशिश कर रहे थे जिन्हें वे कई कारोबारों को वित्तीय रूप से व्यवहार्य बनाए रखने के लिए जरूरी मानते हैं।

इस मांग की अगुवाई आंशिक रूप से ओक्सितानी सहकारी वाइन उत्पादक अनुभाग के अध्यक्ष Fabien Castelbou कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्पादकों का खर्च तेजी से बढ़ा है, जबकि उनकी वाइन के लिए दी जा रही कीमतें अब भी बहुत कम हैं। France 3 Régions के मुताबिक, उत्पादकों का कहना है कि 2026 की फसल सामान्य स्तर पर लौटी, लेकिन इससे

ऐसी कीमतें नहीं मिलीं जो खेतों की आर्थिक स्थिति को संतुलित कर सकें।

Castelbou ने कहा कि ऊर्जा, श्रम और अन्य उत्पादन-सामग्री महंगी होने से उत्पादन लागत और बिक्री मूल्य के बीच के अंतर को संभालना और मुश्किल हो गया है। उत्पादकों का तर्क है कि प्रति बोतल मामूली बढ़ोतरी से उन्हें खोए हुए लाभांश का कुछ हिस्सा वापस पाने में मदद मिलेगी। उनका कहना है कि इस बदलाव के बिना केवल फसल की सामान्य मात्रा से पूरे क्षेत्र की मुनाफे से जुड़ी गहरी समस्या हल नहीं होगी।

सोमवार, 16 नवंबर की बैठक में पिछले वर्ष शुरू किए गए स्थिरता संबंधी समझौतों पर भी ध्यान दिया गया। Castelbou ने कहा कि उत्पादकों से पर्यावरणीय मानकों का पालन करने और अंगूर के बागों की कार्यप्रणाली में दीर्घकालिक बदलाव करने को कहा जा रहा है, लेकिन इन प्रयासों के लिए पर्याप्त मुआवजा नहीं दिया जा रहा। उनका तर्क था कि अगर वाइन उत्पादन की बुनियादी अर्थव्यवस्था ही टिकाऊ नहीं है, तो स्थिरता के नाम पर और अधिक मांग करना उचित नहीं।

तत्काल मूल्य वृद्धि के अलावा, उत्पादकों ने वाइन की बिक्री और मूल्य निर्धारण के तरीके में व्यापक बदलावों का प्रस्ताव रखा। Castelbou ने कहा कि उत्पादक कई वर्षों के लिए होने वाले अंतर-पेशेवर अनुबंधों का दायरा बढ़ाना और आपूर्ति के बेहतर प्रबंधन सहित क्षेत्र की आर्थिक व्यवस्था सुधारना चाहते हैं। इसका उद्देश्य अंगूर के बागों को भविष्य की आय के बारे में अधिक स्पष्टता देना और अस्थिर बाजार में अल्पकालिक वार्ताओं से पैदा होने वाले दबाव को घटाना है।

यह विवाद खेतों से आगे भी अहम है, क्योंकि इसका संबंध एक बड़े उत्पादक क्षेत्र की वाइन आपूर्ति शृंखला में लाभांश के बंटवारे से है। अगर उत्पादक बेहतर कीमतें हासिल नहीं कर पाते, तो निवेश, उत्पादन और वाइन की आपूर्ति की दीर्घकालिक स्थिरता पर असर पड़ सकता है। इसके नतीजे बोतलों की कीमतों और व्यापक पेय बाजार की कारोबारी परिस्थितियों पर भी पड़ सकते हैं। यह मुद्दा यूरोप में मदिरा उत्पादकों के सामने मौजूद एक व्यापक चुनौती को भी दर्शाता है : उन्हें पर्यावरणीय नियमों के अनुपालन का खर्च उठाना है, जबकि खुदरा कीमतों पर दबाव बना हुआ है।

Castelbou ने कहा कि दांव पर सामाजिक हित भी हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि कमजोर मुनाफे की समस्या अब केवल अंगूर के बागों के कारोबार तक सीमित नहीं, बल्कि रोजगार और अंगूर की खेती पर निर्भर ग्रामीण समुदायों के लिए भी खतरा है। उनके मुताबिक, क्षेत्र के कुछ हिस्सों में अंगूर के बागों की गतिविधियां घटने से पहले ही व्यापक नुकसान हो रहा है और उत्पादन सिकुड़ने के साथ नौकरियां जा रही हैं।

उन्होंने अंगूर के बागों में गिरावट को भू-दृश्य पर पड़ने वाले पर्यावरणीय जोखिमों से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे बेलें खत्म होती हैं और अधिक भूमि अनुपयोगी रह जाती है, परती क्षेत्र फैलते हैं और आग का खतरा बढ़ता है। उनके अनुसार, अंगूर के बाग आग को फैलने से रोकने में मदद कर सकते हैं और ग्रामीण इलाकों में अग्निशमन कर्मियों को सहारा देने वाले ठिकाने मुहैया करा सकते हैं। इसलिए इस क्षेत्र की कमजोरी के असर कृषि आय से आगे तक हो सकते हैं।

उत्पादक अब सोमवार, 16 नवंबर को रखे गए प्रस्तावों पर व्यापारियों और विपणन कंपनियों के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। Castelbou ने कहा कि उत्पादकों को नवंबर के अंत से पहले जवाब मिलने की उम्मीद है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बातचीत विफल रही, तो कुछ उत्पादक कामकाज बंद कर सकते हैं और नए प्रदर्शन हो सकते हैं। फिलहाल उत्पादकों का कहना है कि उन्हें अब भी समझौते की संभावना दिखती है, लेकिन वे चाहते हैं कि कीमतों के ठोस प्रस्ताव जल्द उन तक पहुंचें।